एफएफवी-2021-21-000020
दिनांक: 18.08.2021

सलाहकारिता

विषय: भारत से ब्राजील को तरबूज के बीज का निर्यात

कृषि, पशुधन और आपूर्ति मंत्रालय के कृषि रक्षा सचिव द्वारा दिनांक 1 जुलाई, 2021 को अध्यादेश संख्या 344 के माध्यम से ब्राजील को तरबूज के बीज की निर्यात आवश्यकता निम्नलिखित शर्तों के साथ जारी की गई है:

अनुच्छेद 1: भारत में उत्पादित तरबूज के बीज (Citrullus lanatus) (श्रेणी 4, वर्ग 3) के आयात के लिए पादप स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं को स्थापित करना।

अनुच्छेद 2: कंसाइन्मेंट के साथ राष्ट्रीय पादप-स्वच्छता संरक्षण संगठन - भारत के एनपीपीओ द्वारा जारी फाइटोसैनिटरी प्रमाण-पत्र संलग्न हो, जिसमें निम्नलिखित अतिरिक्त घोषणाएं शामिल हों:

"आधिकारिक प्रयोगशाला विश्लेषण संख्या (-----) के परिणाम के अनुसार, कंसाइन्मेंट कुकुम्बर ग्रीन मोटल मोज़ेक वायरस से मुक्त है"

अनुच्छेद 3: कंसाइन्मेंट प्रवेश बिंदु पर निरीक्षण के अधीन हैं (फायटोसैनिटरी इंस्पेक्शन - आईएफ) और आधिकारिक प्रयोगशालाओं में फाइटोसैनिटरी विश्लेषण के लिए सैम्पल का संचय या कृषि, पशुधन और आपूर्ति मंत्रालय - एमएपीए द्वारा मान्यता प्राप्त है।

1. सैम्पल भेजने और फाइटोसैनिटरी विश्लेषण की लागत इच्छुक पार्टी द्वारा वहन की जाएगी।

2. निरीक्षण के विवेक पर, इच्छुक पार्टी निरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने तक शेष कंसाइन्मेंट के लिए जमाकर्ता के रूप में रह सकती है।

अनुच्छेद 4: ब्राजील के लिए संगरोध क्षमता वाले संगरोध कीटों या कीटों के अवरोधन की स्थिति में, कंसाइन्मेंट को नष्ट या अस्वीकार कर दिया जाएगा और भारतीय एनपीपीओ को अधिसूचित किया जाएगा साथ ही ब्राजील के एनपीपीओ कीट जोखिम विश्लेषण की समीक्षा तक तरबूज के बीज के आयात को निलंबित किया जा सकता है।

अनुच्छेद 5: यह अध्यादेश 2 अगस्त, 2021 को लागू होता है

(यू.के. वत्स)
महाप्रबंधक

संलग्नक: अध्यादेश की प्रति

Translation...

OFFICIAL DIARY OF THE UNION
Posted on: 05/07/2021 | Edition: 124 | Section: 1 | Page: 4
Agency: Ministry of Agriculture, Livestock and Supply/Agricultural Defence Secretariat

ORDINANCE No. 344, OF JULY 1, 2021

Establish phytosanitary requirements to import watermelon seeds *(Citrullus lanatus)* (Category 4, Class 3), produced in India.

THE SECRETARY OF AGRICULTURAL DEFENSE OF THE MINISTRY OF AGRICULTURE, LIVESTOCK AND SUPPLY, in using the powers conferred on him by arts. 21 and 63 of Annex I of Decree No. 10.253, of February 20, 2020, in view of the provisions of Decree No. 24.114, of April 12, 1934, in Decree No. 1355, of December 30, 1994, in Decree No. 5.759, of April 17, 2006, in Normative Instruction No. 23, of August 2, 2004, in Normative Instruction No. 25, of April 7, 2020, and what is contained in Process No. 21000.000597/2018-08, resolves:

Art. 1 To establish the phytosanitary requirements for importing watermelon seeds *(Citrullus lanatus)* (Category 4, Class 3), produced in India.

Art. 2 The consignment must be accompanied by a Phytosanitary Certificate, issued by the National Organization of Phytosanitary Protection - NPPO of India, with the following Additional Declaration:

I - "The consignment is free from the Cucumber green mottle mosaic virus, according to the result of the official laboratory analysis N° (...)".

Art. 3 The consignments are subject to inspection at the point of entry (Phytosanitary Inspection - IF) and the collection of samples for phytosanitary analysis in official laboratories or accredited by the Ministry of Agriculture, Livestock and Supply - MAPA.

§ 1 The costs of sending the samples and the phytosanitary analysis will be at the expense of the interested party.

§ 2 At the discretion of the inspection, the interested party may remain as depositary for the remainder of the consignment until the inspection process is completed.

Art. 4. In case of interception of quarantine pests or pests that have quarantine potential for Brazil, the consignment will be destroyed or rejected, and the Indian NPPO will be notified, and the Brazilian NPPO may suspend imports of watermelon seeds until the review of the Pest Risk Analysis.

Art. 5. The product will not be internalized when it does not meet the requirements established in this Ordinance.

Art. 6 This Ordinance enters into force on August 2, 2021.

JOSÉ GUILHERME TOLLSTADIUS LEAL